25 जुलाई 2025 को एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद (एमओयू संस्थान) में 'कंपोजिट और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए सामान्य मानक और विनियम' पर तकनीकी सत्र ।

एकेडमिया, समाज के युवा दिमागों के सीखने का आधार है, जो भविष्य के मानकीकरण के लीडर बनते हैं और गुणवत्ता के प्रति सचेत समाज का निर्माण करते हैं।

भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा शुरू की गई नई पहल के रूप में, वस्त्रादि विभाग ने शुक्रवार, 25 जुलाई 2025 को छात्रों के बीच ज्ञान और जागरूकता बढ़ाने के लिए '**कंपोजिट और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए सामान्य मानक और विनियम**' पर तकनीकी सत्र दिया। तकनीकी सत्र में लगभग 70 छात्रों और एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद (एमओयू संस्थान) के अधिकारियों ने भाग लिया।

वस्त्रादि प्रौद्योगिकी विभाग (एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद) के प्रोफेसर और प्रमुख, प्रोफेसर (डॉ.) धर्मेंद्र सिंह बिहोला ने अपने उद्घाटन भाषण में प्रतिभागियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्होंने वस्त्रादि क्षेत्र के भीतर मानकीकरण के महत्वपूर्ण महत्व पर प्रकाश डाला और इसकी नवीन नई पहलों के लिए भारतीय मानक ब्यूरो की सराहना की।

सामान्य सत्र में, श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक-बी, वस्त्रादि विभाग द्वारा '**भारतीय मानक ब्यूरो मानकीकरण गतिविधि और नई पहल का अवलोकन**' पर एक विस्तृत प्रस्तुति दी गई। छात्रों और एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद के अधिकारियों को बीआईएस के बारे में निम्नलिखित महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया गया: -

- बीआईएस गतिविधि का अवलोकन
- मानकीकरण कार्य में भागीदारी के मानक और महत्व
- मानक विकास के लिए संरचना
- मानक तैयार करने की प्रक्रिया और मानकों के प्रकार
- वस्त्र प्रभाग परिषद द्वारा किए गए कार्यों का अवलोकन
- मानकीकरण गतिविधि के डिजिटलीकरण के लिए बीआईएस द्वारा की गई नई पहल, नए प्रस्ताव और मानक पोर्टल, अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं, आईएसओ/आईईसी में भागीदारी के माध्यम से मसौदा दस्तावेजों पर टिप्पणी।

तकनीकी सत्र में, श्री स्वप्निल, वैज्ञानिक-बी, वस्त्रादि विभाग द्वारा '**समग्र और उच्च प्रदर्शन फाइबर के लिए मानक और विनियमन**' पर एक विस्तृत प्रस्तुति भी दी गई। प्रेजेंटेशन में उन्होंने छात्रों और एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद के अधिकारियों को समिति टीएक्सडी 40 द्वारा प्रकाशित निम्नलिखित महत्वपूर्ण भारतीय मानकों की मुख्य विशेषताओं, प्रदर्शन की आवश्यकता और परीक्षण विधि से अवगत कराया: -

1) आई एस 11273: 2023, वस्त्रादि – 'ई' ग्लास फाइबर के बुने हुए रोविंग कपड़े – विशिष्टि
2) आई एस 11320: 2024, वस्त्रादि – पॉलिएस्टर, फेनोलिक, विनाइल एस्टर और एपॉक्साइड थर्मोसेट रेजिन सिस्टम के सुदृढीकरण के लिए ग्लास फाइबर रोविंग – विशिष्टि
3) आई एस 11551: 2024, वस्त्रादि – एपॉक्सी, विनाइल एस्टर, फेनोलिक और पॉलिएस्टर थर्मोसेट रेजिन सिस्टम के सुदृढीकरण के लिए ग्लास फाइबर से कटा हुआ स्ट्रैंड मैट – विशिष्टि
4) आई एस 17597: 2021, वस्त्र कांच – धागे – मानक का आधार

यह बताया गया कि स्वदेशी भारतीय मानकों को भारतीय मानक ब्यूरो की वेबसाइट से मुफ्त में डाउनलोड करने योग्य बनाया गया है जिसका उपयोग छात्र/संकाय सदस्य अपने अध्ययन/अनुसंधान कार्य के लिए कर सकते हैं।

सत्र के बाद एक संक्षिप्त प्रश्नोत्तर का आयोजन किया गया और छात्रों और संकाय सदस्यों द्वारा उठाए गए सभी प्रश्नों का समाधान किया गया। एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद के अधिकारियों और छात्रों द्वारा व्याख्यान और बीआईएस की नई पहल की काफी सराहना की गई वस्त्रादि प्रौद्योगिकी विभाग (एलडी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, अहमदाबाद) के सहायक प्रोफेसर डॉ. हीरेन जायसवाल ने हार्दिक धन्यवाद ज्ञापन दिया। यह व्याख्यान छात्रों/अधिकारियों के लिए उनके ज्ञान वृद्धि और बीआईएस द्वारा की जा रही विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरूकता के लिए सहायक था।

TECHNICAL SESSION ON 'GENERAL STANDARDS AND REGULATIONS FOR COMPOSITE AND HIGH – PERFORMANCE FIBRE' ON 25 JULY 2025 AT L. D. COLLEGE OF ENGINEERING, AHMEDABAD (MoU INSTITUTE).

Academia is the learning ground for the young minds of the society who become the leaders for tomorrow for future standardization and build a society with quality consciousness.

As a part of new initiative by Bureau of Indian Standards, Textiles department delivered a technical session on **'General Standards and Regulations for Composite and High – Performance Fibre'** to enhance the knowledge and awareness among students on **25 July 2025 at L. D. College of Engineering, Ahmedabad (MoU INSTITUTE)**. The session was attended by about 70 participants including students and LDCE officials.

Prof. (Dr.) Dharmendra Singh Bihola, Professor and Head of the Department of Textile Technology (LDCE, Ahmedabad), warmly welcomed the participants in his opening address. He highlighted the critical importance of standardization within the textile sector and commended the Bureau of Indian Standards for its innovative new initiatives.

In general session, a detailed presentation on '**An overview of BIS Standardization Activity and New Initiative'** was delivered by **Shri Swapnil, Scientist-B, Textiles**. The students and LDCE officials were apprised of the following important aspects about BIS: −

- An overview of BIS Activity
- Standards & importance of participation in standardization work
- Structure for Standards Development
- Process of standard formulation and types of standards
- Overview of work carried out by Textiles Division Council
- New initiatives taken by BIS for Digitization of Standardization Activity, new proposal and commenting on draft documents through Standards Portal, R & D projects, Participation at ISO/IEC.

In technical session, a detailed presentation on **'Standards and regulation for Composite and High – Performance Fibre'** was delivered by **Shri Swapnil, Scientist-B, Textiles**. In the presentation, he apprised the students and LDCE officials about the salient features, performance requirement and test method of the following important Indian standards published by the committee TXD 40: -

1) IS 11273 : 2023, Woven Roving fabrics of E Glass Fibre
2) IS 11320 : 2024, Glass Fibre Rovings for the Reinforcement of Polyester, Phenolic, Vinyl Ester and of Epoxide Thermoset Resin Systems
3) IS 11551 : 2024, Glass Fibre Chopped Strand Mat for the Reinforcement of Epoxy, Vinyl Ester, Phenolic and Polyester Thermoset Resin Systems
4) IS 17597 : 2021, Textile glass — Yarns — Basis for a specification

It was informed that Indigenous Indian Standards have been made freely downloadable from BIS website which can be utilized by students/faculty members for their study/research work.

The session was followed by a brief Q & A and all the queries raised by students and faculty members were resolved. The session and the new initiative of BIS was well appreciated by officials and the students of LDCE was followed by a heartfelt vote of thanks by Dr. Hiren Jaiswal, Assistant Professor, Department of Textile Technology (LDCE, Ahmedabad). The session was helpful for students/officials for their knowledge enhancement and awareness on various activities being carried out by BIS.

Bureau of Indian Standards
GENERAL SESSION ON
AN OVERVIEW OF BIS ACTIVITY AND
NEW INITIATIVE
By : Swapnil, Scientist-B/Asst. Director, BIS
Date: 25 July 2025
Venue: LDCE, Ahmedabad

Technical Committees under Textiles Division Council
1 Physical Methods of Test, TXD 01
2 Jute & Jute Products, TXD 03
3 Wool & Wool Products including floor coverings, TXD 04
4 Chemical Methods of Test, TXD 05
5 Textile Speciality Chemicals and Dyestuffs, TXD 07
6 Handloom & Khadi, TXD 08
7 Cordage, TXD 09
8 Hosiery, TXD 10
9 Textile Materials for Aeronautical and Related Products, TXD 13
10 Textile Machinery , TXD 14
12 Made-up Textiles including Ready Made Garments, TXD 20

TECHNICAL SESSION
ON
GENERAL STANDARDS
AND REGULATION FOR
COMPOSITE AND
HIGH - PERFORMANCE FIBRE